MSW-001
MSW-002
MSW-005
MSW-003
MSW-004
MSW-006
MSWE-010
MSW-032

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2025–2026

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू.–003	:	आधारभूत सामाजिक विज्ञान की संकल्पनाएं
एम.एस.डब्ल्यू.–004	:	समाज कार्य एवं सामाजिक विकास
एम.एस.डब्ल्यू.–006	:	समाज कार्य अनुसंधान
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–010	:	अफ्रीका के संदर्भ में समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू–032	:	समाज कार्य और आपराधिक न्याय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई,2025 सत्र – 31 मार्च,2026

जनवरी,2026 सत्र – 30 सितम्बर,2026

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. (प्रथम वर्ष)कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. दिलीप दिवाकर जी
(कार्यक्रम समन्वयक)

व्यावसायिक समाज कार्यः भारत परिप्रेक्ष्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) स्वदेशी प्रथाओं पर जोर देते हुए भारत में समाज कार्य की ऐतिहासिक जड़ों पर चर्चा करें। 20

अथवा

भारत में व्यावसायिक समाज कार्य के उद्भव में समाज सुधार आंदोलनों की भूमिका की जाँच करें। 20

2) बताएं कि भारतीय धार्मिक दर्शन (हिंदू धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म आदि) समाज कार्य मूल्यों और प्रथाओं को कैसे प्रभावित करते हैं। 20

अथवा

भारतीय संदर्भ में व्यावसायिक समाज कार्य के नैतिक आधारों का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) भारतीय समाज कार्य अभ्यास में गांधीवादी विचारधारा के महत्व का वर्णन करें। 10

ख) बी.आर. अंबेडकर के विचार भारतीय सामाजिक न्याय और समाज कार्य में कैसे योगदान करते हैं? व्याख्या करें। 10

ग) भारतीय समाज कार्य को आकार देने में सर्वोदय आंदोलन की भूमिका पर एक नोट लिखें। 10

घ) समाज कार्य दर्शन के लिए पश्चिमी और भारतीय दृष्टिकोणों की तुलना करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) भारत में समाज कार्य शिक्षा के विकास का पता लगाइए। 5

ख) भारतीय समाज कार्य में व्यावसायिक संघों की क्या भूमिका है? 5

ग) बताइए कि समाज कार्य राष्ट्रीय विकास योजना के साथ कैसे एकीकृत होता है। 5

घ) भारतीय समाज कार्य शिक्षा में क्षेत्र कार्य के महत्व पर चर्चा कीजिए। 5

ङ) भारत में समाज कार्य को स्वदेशी बनाने की चुनौतियाँ क्या हैं? 5

च) ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में समाज कार्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर (लगभग **100** शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए:

क) भक्ति आंदोलन 4

ख) सामाजिक सुरक्षा 4

ग) दान और परोपकार 4

घ) समाज कार्य में आचार संहिता 4

ङ) आत्म–सम्मान आंदोलन 4

च) गांधीवादी ट्रस्टीशिप 4

छ) भारत में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका 4

ज) अनौपचारिक समाज कार्य प्रथाएं 4